Cement and Electronics industries to form Cooperative Research Associations. Efforts are also afoot to form Cooperative Research Associations for the Automobile, Bricks and Tiles and Cables Industries.

6. The C.S.I.R. is also considering experimenting on financial support to individual industries to set up research and development units of their own.

Discussion with Poland for Fertilizer Unit

4550. Shri Firodia: Will the Minister of **Petroleum and Chemicals** be pleased to state:

(a) whether Government have recently discussed with the Minister of Foreign Trade of Poland for the setting up of a fertilizer unit; and

(b) if so, the result thereof?

The Minister of Petroleum and Chemicals (Shri Alagesan): (a) No.

(b) Does not arise.

आजीवन कारावास वाले कैदियों की रिहाई

4551. **डा० राम मनोहर लोहिया :**
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री बाल्मीकी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री बड़े :
श्री किशन पटनायक :
श्री बूटा सिंह :
श्री ना० नि० पटेल
श्री नरेन्द्र सिंह महीडा :
श्रीमती गंगा देवी :
श्री मधु लिमये :
श्रीमती बसन्त कुंवर बा :
श्री सोलंकी
श्री प्रिय गुप्त :
श्री बागड़ी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले 15 वर्षों में आजीवन कारावास वाले ऐसे कितने कैदियों को रिहा किया गया है, जो छूट की अवधि को निकाल कर कारावास की अपनी 20 वर्ष की अवधि पूरी कर चुके थे ;

(ख) ऐसे कितने कदी हैं जिन्हें अपनी कारावास की अवधि पूरी होने पर भी नहीं छोड़ा गया है ; और

(ग) उसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री (पू० शे० नास्कर) : (क) से (ग) . सूचना एकत्रित की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी।

तिहाड़ जेल में आजीवन कैदी

4552. **श्री बड़े :**
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री बाल्मीकी :
श्री यशपाल सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्री किशन पटनायक :
श्री ना० नि० पटेल :
श्री नरेन्द्र सिंह म हेडा :
श्रीमती गंगा देवी :
श्री मधु लिमये :
श्री दाजी :
श्रीमती बसन्त कुंवर बा :
श्री सोलंकी :
श्री प्रिय गुप्त :
श्री बागड़ी :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री ने 11 फरवरी, 1966

को तिहाड़ जेल का निरीक्षण किया था जहां आजीवन क़ैदियों ने मंत्री महोदय से अपनी कठिनाइयों तथा उन की कारावास-अवधि समाप्त हो जाने के पश्चात् भी सरकार द्वारा उन्हें रिहा न किये जाने के बारे में शिकायतें की थीं ;

(ख) यदि हां, तो उन की शिकायतों का ब्यौरा क्या है ; और

(ग) इस मामले में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री पू० शे० नास्कर) : (क) जी, हां गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री महोदय की सेवा में एक अभिनन्दनपत्र प्रस्तुत किया गया था जिसमें कुछ प्रश्न उठाये गये थे ।

(ख) और (ग). सदन के सभा-पटल पर एक विवरण रखा गया है । [पुस्तकालय में रखा गया । देखिये संख्या LT—6168 / 66]।

आजीवन कैदी

4553. **श्री ना० नि० पटेल :**
श्री यशपाल सिंह :
श्री बूटा सिंह :
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री स० मो० बनर्जी :
श्री बाल्मीकी :
श्री बड़े :
श्री किशन पटनायक :
डा० राम मनोहर लोहिया :
श्रीमती गगा देवी :
श्री नरेन्द्र सिंह महीडा :
श्री मधु लिमये :
श्री हेम बरुआ :
श्रीमती बसन्त कुंवर बा :
श्री सोलंकी :
श्री प्रिय गुप्त :
श्री बागड़ी :

क्या **गृह-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि द्वितीय श्रेणी के आजीवन कैदियों को छूट की अवधि सहित 20 वर्ष जेल में रहना पड़ता है ;

(ख) क्या सरकार इस प्रकार के कैदियों को उन की नियत दण्ड अवधि पूरी होने पर भी अपनी मर्जी से जेल में रोक सकती है ; और

(ग) यदि हां, तो आजीवन कैदियों की छूट सहित अवधि समाप्त हो जाने पर रिहा न करने के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री (पू० शे० नास्कर) : (क) तथा (ख). कानून की दृष्टि से आजीवन कारावास का तात्पर्य बन्दी के शेष जीवन के लिये कारावास से है, जब तक कि संबंधित सरकार द्वारा दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 401 के अधीन उसका परिहार न किया जाय । केवल परिहार की अवधि निकालने के लिये आजीवन कारावास को 20 वर्ष का कारावास समझा जाता है ।

(ग) प्रश्न ही नहीं उठता ।

दिल्ली में अध्यापकों के ग्रेड

4554. **श्री युद्धवीर सिंह :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
डा० लक्ष्मीमल्ल सिंघवी :
श्री बड़े :

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजधानी के उच्चतर माध्यमिक स्कूलों के लगभग 300 अध्यापकों को 1 जनवरी, 1955 से 120–8–200–10–300 का ग्रेड नहीं